CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

17 Jan. 2025

ABHAY SIR

Result Mitra

Quotes of the Day

“हार मानने से पहले, एक बार और प्रयास करने की सोचो।”

❖Topic 1:– इजरायल और हमास के बीच Ceasefire

❖Topic 2:– हिंडेनबर्ग रिसर्च को किया गया बंद

❖Topic 3:– केंद्र सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी प्रदान की गई है।

❖Topic 4:- इसरो का श्रीहरिकोटा में तीसरा लॉन्चिग पैड

❖Topic 5:- न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में दिलाई गई शपथ

इजरायल और हमास के बीच Ceasefire

❖ दोनों लगभग 15 महीने से युद्ध कर रहे थे

❖ प्रमुख मध्यस्थ कतर के द्वारा इजरायल-हमास के बीच संघर्ष विराम समझौता कराया गया ।

❖ संघर्ष विराम की घोषणा कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी ने की

❖ संघर्ष विराम समझौते के पहले चरण में :– गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए 33 बंधकों को 42-दिवसीय पहले चरण में रिहा किया जाएगा।

❖ पहले चरण में "नागरिक महिलाएँ और महिला भर्ती, साथ ही बच्चे, बुज़ुर्ग लोग... बीमार नागरिक और घायल लोग" शामिल होंगे।

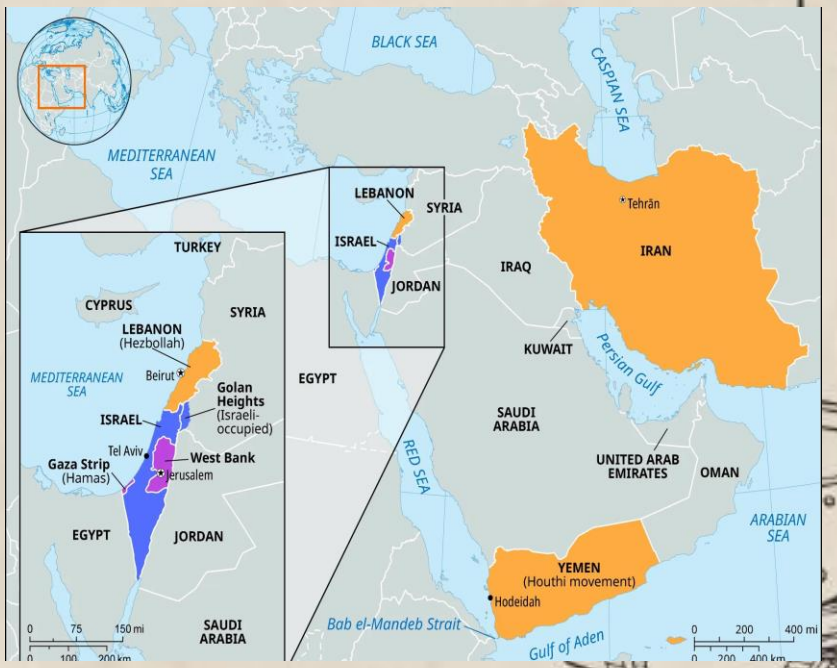

- इन 33 लोगों के बदले इजरायल कई आतंकवादियों को छोड़ेगा इनकी संख्या किस बात पर निर्भर होगी की 33 लोगों में से जीवित कितने है।

- हमास के अनुसार इजरायल लगभग 1,000 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, जिनमें "लंबी सजा वाले" लोग भी शामिल हैं।

- दूसरे और तीसरे चरण में छोड़े जाने वाले आतंकवादियों की संख्या इजरायली बंधको की संख्या पर निर्भर करेगा।

- इन 33 लोगों को हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर हमला करने के बाद से गाजा में बंधक बना रखा है हमास ने कुल 94 लोगों को बंधक बनाया था

❖ कुल बंधकों में 34 लोग वे भी शामिल हैं जिन्हें इजरायली सेना मृत घोषित कर चुकी है।

❖ 42-दिवसीय युद्ध विराम के अंतर्गत इजरायली सेना गाजा के घनी आबादी वाले क्षेत्रों से पीछे हट जाएगी, जिससे "कैदियों की अदला-बदली, अवशेषों की अदला-बदली और विस्थापित लोगों की वापसी की जा सके"।

❖ पहले चरण के कार्यान्वयन के "16वें दिन" दूसरे चरण के लिए बातचीत शुरू होगी।

❖ दूसरे चरण में शेष बंदियों की रिहाई होगी, इनमे "पुरुष सैनिक, सैन्य आयु के पुरुष और मारे गए बंधकों के शव" शामिल होंगे।

❖ इजरायली सरकार के अनुसार जब तक "सभी बंधकों को वापस नहीं कर दिया जाता", तब तक इजरायली सेना गाजा से पूरी तरह से नहीं हटेगी।

❖ युद्ध विराम समझौते की निगरानी :–

❖ संधि में संयुक्त मध्यस्थ देश कतर, संयुक्त राज्य अमेरिका और मिस्र हैं।

❖ काहिरा स्थित एक निकाय के माध्यम से युद्ध विराम समझौते की निगरानी ये सभी संयुक्त मध्यस्थ देश करेंगे।

❖ शेख मोहम्मद ने कहा कि दूसरे और तीसरे चरण पर बातचीत करने के लिए एक स्पष्ट तंत्र है।

❖ कतर (Qatar)

❖ 1. भौगोलिक स्थिति:

❖ स्थान: कतर पश्चिम एशिया में स्थित एक छोटा प्रायद्वीपीय देश है, जो फारस की खाड़ी (Persian Gulf) में स्थित है।

❖ सीमा: उत्तर, पूर्व और पश्चिम में फारस की खाड़ी।

❖ दक्षिण में सऊदी अरब।

❖ राजधानी: दोहा।

❖ क्षेत्रफल: लगभग 11,571 वर्ग किमी, जो इसे विश्व के सबसे छोटे देशों में से एक बनाता है।

❖ 2. आर्थिक स्थिति:

❖ तेल और प्राकृतिक गैस:

❖ कतर विश्व के सबसे बड़े तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) निर्यातकों में से एक है।

❖ जीडीपी:

❖ प्रति व्यक्ति जीडीपी के आधार पर, यह विश्व के सबसे अमीर देशों में से एक है।

❖ मुद्रा: कतर रियाल (QAR)।

❖ विशेष पहल:

❖ कतर ने अपनी अर्थव्यवस्था को तेल और गैस पर निर्भरता से हटाने के लिए "कतर नेशनल विज़न 2030" नामक योजना शुरू की है।

❖ पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में भी निवेश कर रहा है।

❖ 3. राजनीतिक व्यवस्था:

❖ सरकार का प्रकार: संवैधानिक राजशाही।

❖ अमीर:

❖ कतर के शासक को "अमीर" कहा जाता है। वर्तमान में अमीर शेख तमिम बिन हमद अल थानी हैं।

❖ राजनीतिक महत्व:

❖ कतर मध्य पूर्व में एक महत्वपूर्ण राजनयिक भूमिका निभाता है और कई अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं का केंद्र रहा है।

❖ 4. कतर और भारत के संबंध:

❖ आर्थिक संबंध:

❖ भारत, कतर से बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस आयात करता है।

❖ दोनों देशों के बीच व्यापार का प्रमुख हिस्सा ऊर्जा संसाधन है।

❖ प्रवासी भारतीय:

❖ कतर में लगभग 7 लाख भारतीय काम करते हैं, जो वहाँ के सबसे बड़े प्रवासी समुदाय में से एक हैं।

❖ सांस्कृतिक संबंध:

❖ भारतीय प्रवासी वहाँ भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

Result Mitra

❖ 5. कतर और वैश्विक मंच:

❖ संयुक्त राष्ट्र:

❖ कतर कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भागीदार है।

❖ फुटबॉल विश्व कप 2022:

❖ कतर ने 2022 में फीफा विश्व कप का सफल आयोजन किया, जो इसे वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने वाला एक प्रमुख आयोजन था।

❖ अल जज़ीरा:

❖ कतर स्थित यह समाचार चैनल मध्य पूर्व और वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Result Mitra

HINDENBURG RESEARCH

?

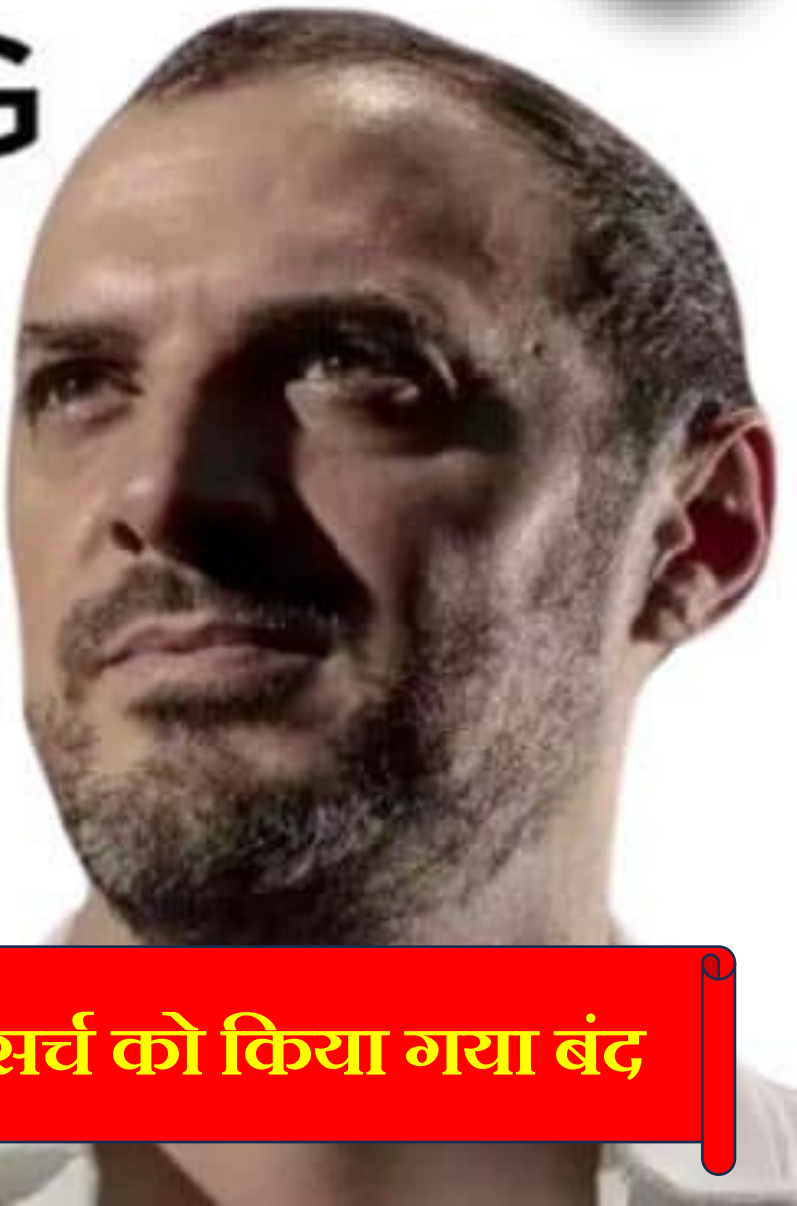

हिंडेनबर्ग रिसर्च को किया गया बंद

❖ **हिंडेनबर्ग रिसर्च (Hindenburg Research) :–**

❖ यह एक अमेरिकी वित्तीय अनुसंधान फर्म है जो मुख्य रूप से फॉरेंसिक वित्तीय विश्लेषण और शॉर्ट सेलिंग की रणनीतियों पर काम करती है।

❖ स्थापना:– 2017 में नाथन एंडरसन द्वारा स्थापित।

❖ फर्म का नाम "हिंडेनबर्ग डिजास्टर" से प्रेरित है, जो एक बड़ी विफलता का प्रतीक है।

❖ **हिंडेनबर्ग रिसर्च का मुख्य उद्देश्य :–**

❖ उन कंपनियों और संस्थाओं का पर्दाफाश करना है जो धोखाधड़ी, गड़बड़ी, या अन्य अनैतिक व्यावसायिक प्रथाओं में संलिप्त हैं।

Result Mitra

❖ यह फर्म अपनी रिपोर्ट्स में कंपनियों के वित्तीय दस्तावेज़ों, कानूनी रिकॉर्ड्स और सार्वजनिक डेटा का विश्लेषण करती है और जब इसे गड़बड़ी दिखाई देती है, तो उसकी जानकारी सार्वजनिक करती है।

❖ हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट्स को ले कर विवाद क्यों :–

❖ विवादास्पद होती हैं क्योंकि ये बड़े-बड़े कॉरपोरेट्स पर गहरा प्रभाव डालती हैं। कुछ लोग इसे नैतिक प्रहरी मानते हैं, जबकि अन्य इसे शॉर्ट-सेलिग के जरिए लाभ कमाने का एक माध्यम मानते हैं।

❖ चर्चा में रहने का कारण :–

❖ हिंडेनबर्ग रिसर्च कई बड़े विवादों और रिपोर्ट्स के कारण सुर्खियों में रही है। इनमें शामिल हैं:

1. **अडानी ग्रुप रिपोर्ट (2023):** फर्म ने अडानी समूह पर गंभीर वित्तीय गड़बड़ियों और धोखाधड़ी का आरोप लगाया। इस रिपोर्ट के बाद अडानी समूह के शेयरों में भारी गिरावट आई।

2. **निकोलोला कॉर्पोरेशन (2020):** इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी निकोलोला पर झूठे दावे करने और निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट आई।

3. **Block Inc. (2023):** ब्लॉक (पहले Square) पर संभावित धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया, जिसमें यूजर्स के डेटा और खातों का दुरुपयोग शामिल था।

Result Mitra
8TH PAY
COMMISSION 2025
केंद्र सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग के
गठन को मंजूरी प्रदान की गई है।

❖ कार्य :– केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों की समीक्षा करेगा और उसी के हिसाब वेतन में बढ़ोतरी की सिफारिश।

❖ 8वें वेतन आयोग साल 2026 तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।

❖ वेतन आयोग क्या होता है:–

❖ वेतन आयोग :– एक हाई लेवल कमेटी है।

❖ गठन :– केंद्र सरकार द्वारा।

❖ 7वे वेतन आयोग का गठन 2014 में हुआ और इसकी सिफारिशें 2016 में लागू हुई थीं।

❖ वेतन आयोग का उद्देश्य :– तय करना कि आर्थिक परिस्थितियों के हिसाब से कर्मचारियों को सम्मान से जीने लायक उचित वेतन प्राप्त हो सके।

❖ यह सरकारी कर्मचारियों के आर्थिक कल्याण के लिए सुधारों की सिफारिश करता है।

❖ इसमें कर्मचारी कल्याण की नीतियां, पेंशन, भत्ते और अन्य लाभों शामिल होते हैं।

❖ वेतन आयोग का गठन :–

❖ गठन आमतौर पर हर 10 साल में एक बार। हालांकि, आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखकर इसका गठन 10 साल से पहले या बाद में भी ।

❖ आयोग का प्रमुख कोई न्यायाधीश अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी हो सकता है।

❖ इसके अन्य सदस्य वेतन, वित्त, अर्थशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञ होते हैं।

❖ किन कर्मचारियों पर होगा लागू :–

❖ 7वें वेतन आयोग के अनुसार, सिविल सर्विसेज के दायरे में आने वाले वे सभी कर्मचारी वेतन आयोग के दायरे में आते हैं, जिन्हें देश के कंसॉलिडेटेड फंड से वेतन प्राप्त होता है।

❖ किन कर्मचारियों पर नहीं होगा लागू :–

❖ पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिग (PSUs) , ऑटोनॉमस बॉडी के कर्मचारी और ग्रामीण डाक सेवक वेतन आयोग के दायरे में नहीं।

❖ हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज भी वेतन आयोग के दायरे से बाहर । (इनके वेतन और भत्ते अलग नियम और कानून के तहत निर्धारित)

❖ सैलरी बढ़ाने का फॉर्मूला कैसे तय होता है?
❖ वेतन आयोग कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी के लिए कई पहलुओं पर गौर करता है जैसे की
❖ महंगाई दर, इकोनॉमी की स्थिति, कर्मचारियों की परफॉर्मेंस, बाजार के वेतन।

❖ वेतन आयोग की सिफारिशें :–
❖ कर्मचारियों के मौजूदा वेतन में वृद्धि
❖ पेंशन योजना में सुधार
❖ भत्तों (किफायती आवास, परिवहन भत्ता, चिकित्सा भत्ते आदि) में वृद्धि
❖ कामकाजी परिस्थितियों में सुधार
❖ नए कर्मचारियों के लिए भर्ती प्रक्रिया और वेतन संरचना में सुधार
❖ कर्मचारियों के लिए ट्रेनिग प्रोग्राम की सिफारिशें

Result Mitra

❖ वेतन आयोग के मुख्य बिंदु:

❖ अभी तक कुल 7 वेतन आयोग गठित हो चुके हैं। यह आठवां है

1. पहला वेतन आयोग (1946):

❖ यह स्वतंत्रता से पहले गठित हुआ था और इसका कार्य सरकारी कर्मचारियों के वेतन की संरचना पर ध्यान केंद्रित करना था।

❖ गठन: जनवरी 1946

❖ कार्यान्वयन: 1947

❖ मुख्य सिफारिशें: न्यूनतम वेतन तय करने का प्रारंभिक प्रयास; पे-स्केल और भत्तों में सुधार।

2. दूसरा वेतन आयोग (1957)

❖ गठन: अगस्त 1957

❖ कार्यान्वयन: 1959
❖ मुख्य सिफारिशें: आर्थिक स्थितियों और महंगाई को ध्यान में रखते हुए वेतन संरचना में बदलाव।

3. तीसरा वेतन आयोग (1970)

❖ गठन: अप्रैल 1970
❖ कार्यान्वयन: 1973
❖ मुख्य सिफारिशें: महंगाई भत्ते (Dearness Allowance) का समायोजन।

4. चौथा वेतन आयोग (1983)

❖ गठन: जून 1983
❖ कार्यान्वयन: 1986
❖ मुख्य सिफारिशें: केंद्र और राज्य कर्मचारियों के वेतन में बड़ा संशोधन।

5. पाँचवाँ वेतन आयोग (1994)

- ❖ गठन: अप्रैल 1994
- ❖ कार्यान्वयन: 1997
- ❖ मुख्य सिफारिशें: न्यूनतम वेतन में बड़ी वृद्धि और भत्तों में सुधार।

6. छठा वेतन आयोग (2006)

- ❖ गठन: अक्टूबर 2006
- ❖ कार्यान्वयन: 2008
- ❖ मुख्य सिफारिशें: Pay Band और Grade Pay की अवधारणा पेश की गई।

7. सातवाँ वेतन आयोग (2014)

- ❖ गठन: फरवरी 2014
- ❖ कार्यान्वयन: 2016

❖ मुख्य सिफारिशें: न्यूनतम वेतन ₹18,000 और अधिकतम ₹2,50,000 प्रति माह।

सातवें वेतन आयोग के मुख्य सुझाव:

❖ न्यूनतम वेतन ₹18,000 और अधिकतम ₹2,50,000।

❖ वेतन संरचना को पे मैट्रिक्स के अनुसार व्यवस्थित करना।

❖ पुराने ग्रेड पे सिस्टम को समाप्त करना।

इसरो का श्रीहरिकोटा में तीसरा लॉन्चिंग पैड

❖ लॉन्चिग पैड एक ऐसा स्थान या संरचना होती है जहाँ से अंतरिक्ष यान, रॉकेट या अन्य प्रकार के वायुगतिकीय उपकरणों को प्रक्षेपित (लॉन्च) किया जाता है।

❖ यह आमतौर पर बड़ी तकनीकी सुविधाओं से युक्त होता है, जो प्रक्षेपण प्रक्रिया को सुरक्षित और कुशलता से संचालित करने में मदद करता है।

❖ **लॉन्चिग पैड के मुख्य तत्वः**

1. रॉकेट सपोर्ट स्ट्रक्चर: रॉकेट को स्थिर रखने और दिशा प्रदान करने के लिए।
2. फ्यूलिग सिस्टमः ईंधन भरने की व्यवस्था।
3. फ्लेम डिफ्लेक्टर: लॉन्च के समय निकलने वाली गर्म गैसों को सुरक्षित रूप से दिशा देने के लिए।
4. कंट्रोल रूमः जहां से प्रक्षेपण की निगरानी और संचालन किया जाता है।

❖ 5. मोबाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म: कुछ लॉन्च पैड्स में रॉकेट को लॉन्च साइट तक ले जाने के लिए।

❖ उदाहरण:

❖ 1. इसरो (ISRO) का श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर।

❖ 2. नासा (NASA) का केनेडी स्पेस सेंटर, फ्लोरिडा।

❖ श्रीहरिकोटा, भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित है और इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के प्रमुख लॉन्चिग स्टेशन के रूप में जाना जाता है।

❖ यहां सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (Satish Dhawan Space Centre - SDSC) स्थित है।

❖ यह भारत का मुख्य रॉकेट प्रक्षेपण स्थल है और विश्व के प्रमुख अंतरिक्ष केंद्रों में से एक है।

❖ **लॉन्चिग पैड्सः**

❖ सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में वर्तमान में निम्नलिखित प्रमुख लॉन्चिग पैड्स हैं:

1. पहला लॉन्च पैड (First Launch Pad - FLP):

❖ यह 1993 में शुरू हुआ और मुख्यतः PSLV (Polar Satellite Launch Vehicle) और GSLV (Geosynchronous Satellite Launch Vehicle) रॉकेट्स के प्रक्षेपण के लिए उपयोग किया जाता है।

2. दूसरा लॉन्च पैड (Second Launch Pad - SLP):

❖ यह 2005 में बनाया गया और अधिक आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसका उपयोग PSLV, GSLV और GSLV Mk III रॉकेट्स के प्रक्षेपण के लिए किया जाता है।

3. तीसरा लॉन्च पैड (Third Launch Pad - प्रस्तावित):

❖ भविष्य के रॉकेट प्रक्षेपण, जैसे कि भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन (गगनयान) और अन्य गहन अंतरिक्ष अभियानों के लिए निर्माणाधीन है।

❖ विशेषताएँ:

❖ भौगोलिक स्थिति: यह बंगाल की खाड़ी के पास स्थित है, जिससे रॉकेट के लिए समुद्र के ऊपर से उड़ान भरना सुरक्षित होता है।

❖ उपकरण: अत्याधुनिक तकनीक, मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म और रॉकेट असेंबली और लॉन्चिग के लिए स्वचालित सुविधाएं।

❖ श्रीहरिकोटा का यह केंद्र भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आधार है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपग्रहों के प्रक्षेपण का मुख्य केंद्र है।

❖ ISRO (Indian Space Research Organisation), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी है, जिसका मुख्यालय बंगलुरु (कर्नाटका) में स्थित है।

- ISRO का उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध करना, उपग्रहों का विकास और प्रक्षेपण करना और विभिन्न अंतरिक्ष मिशनों के माध्यम से भारत की विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और विकास में योगदान करना है।

- **ISRO का इतिहास और स्थापना:**

- ISRO की स्थापना 15 अगस्त 1969 को हुई थी, और इसके पहले अध्यक्ष थे डॉ. विक्रम साराभाई, जिन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है।

- डॉ. साराभाई का मानना था कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग भारत के विकास में किया जा सकता है, जैसे कि कृषि, शिक्षा, मौसम विज्ञान, और संचार के क्षेत्रों में।

❖ प्रमुख उपग्रह और मिशन:

1.अर्थ ऑब्जर्वेशन उपग्रह (EOS):

❖ भारत के मौसम, जलवायु, कृषि, और पर्यावरण के अध्ययन के लिए उपग्रह भेजे जाते हैं।

2.गगनयान मिशन (Gaganyaan Mission):

❖ भारत का मानव अंतरिक्ष मिशन, जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

3.चंद्रयान (Chandrayaan):

❖ चंद्रयान-1 (2008) और चंद्रयान-2 (2019) चंद्रमा पर भेजे गए मिशन थे, जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्वपूर्ण कदम हैं।

4. मार्स ऑर्बिटर मिशन (Mangalyaan):

- ISRO ने 2013 में भारत का पहला मंगल मिशन भेजा, जो मार्स ऑर्बिटर मिशन (MOM) के नाम से प्रसिद्ध है। इसने भारत को मंगल पर सफलता पाने वाला पहला एशियाई देश बना दिया।

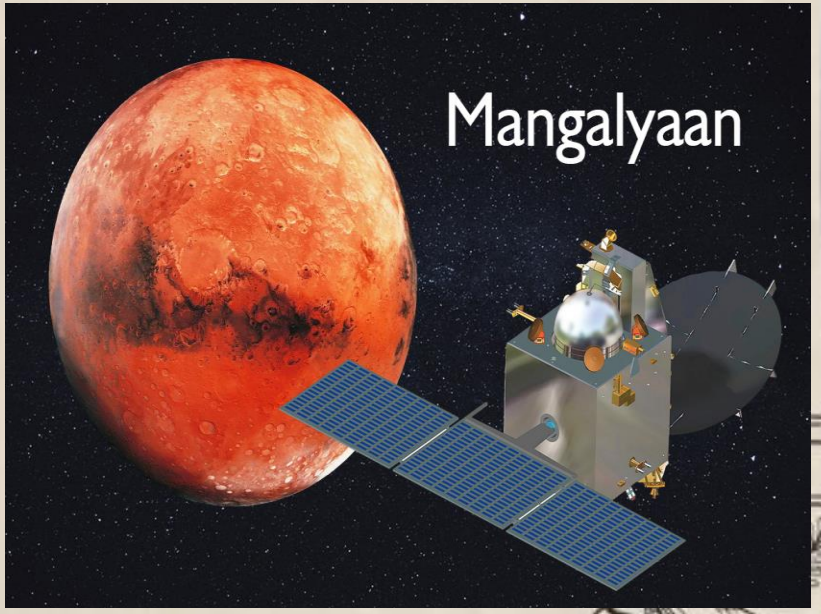

5. PSLV और GSLV रॉकेट:

- PSLV (Polar Satellite Launch Vehicle) और GSLV (Geosynchronous Satellite Launch Vehicle) ISRO के प्रमुख रॉकेट हैं, जो उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

ISRO के कार्यक्षेत्र:

- उपग्रह प्रक्षेपण: ISRO दुनिया भर में विभिन्न देशों के उपग्रहों को लॉन्च करता है।

- **संचार:** भारतीय दूरसंचार और टीवी प्रसारण को मजबूत बनाने के लिए उपग्रहों का उपयोग।
- **मौसम और पर्यावरण निगरानी:** कृषि, जलवायु परिवर्तन और आपदाओं की निगरानी के लिए पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।
- **रक्षा:** सैन्य और रक्षा क्षेत्र के लिए उपग्रह तकनीक का उपयोग।

- **प्रमुख अंतरिक्ष केंद्र:**

1. सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (Sriharikota): रॉकेट लॉन्चिग के लिए मुख्य केंद्र।
2. विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC): उपग्रह और रॉकेट प्रौद्योगिकी का अनुसंधान केंद्र।
3. इसरो उपग्रह केंद्र (ISAC): उपग्रहों के निर्माण और परीक्षण का केंद्र।

- ISRO ने कम लागत में अंतरिक्ष मिशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, और यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में एक सम्मानित और विश्वसनीय अंतरिक्ष एजेंसी के रूप में उभरकर सामने आया है।

Result Mitra
न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन को सुप्रीम कोर्ट के
न्यायाधीश के रूप में दिलाई गई शपथ

- न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में दिलाई गई शपथ
- इन्हे शपथ भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के द्वारा दिलाई गई।

- के. विनोद चंद्रन अभी पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे ।
- उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 34 है जिसमें मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं।
- न्यायमूर्ति चंद्रन को नवंबर, 2011 को केरल उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।
- न्यायमूर्ति चंद्रन 29 मार्च, 2023 से पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे।
- सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम में न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति अभय ओका शामिल थे ।

❖ सर्वोच्च न्यायालय :– 34 न्यायाधीशों की निर्धारित स्वीकृत।

❖ सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति :

❖ सर्वोच्च न्यायालय की संरचना और शक्ति:

❖ आरंभ में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या आठ थी (एक मुख्य न्यायाधीश और सात अन्य)।

❖ संसद ने समय के साथ न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि की है।

❖ संसद ने न्यायाधीशों की संख्या 1950 में 8 से बढ़ाकर 1956 में 11, 1960 में 14, 1978 में 18, 1986 में 26, 2009 में 31 और 2019 में 34 (वर्तमान संख्या) कर दी।

❖ **न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिये योग्यताएँ:**

❖ संविधान के अनुच्छेद 124 (3) में न्यायाधीश की नियुक्ति का उल्लेख किया गया है जिसके अनुसार, एक व्यक्ति को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जा सकता है:

❖ भारत का नागरिक हो।

❖ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कम-से-कम पाँच साल या लगातार दो उच्च न्यायालयों में सेवा की हो।

❖ या कम-से-कम दस वर्षों के लिये एक उच्च न्यायालय का अधिवक्ता या कुल मिलाकर दो या दो से अधिक विभिन्न न्यायालयों में अधिवक्ता रहा हो।

❖ या राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित न्यायविद होना चाहिये।

Result Mitra

❖ **नियुक्ति:**

❖ नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के अंतर्गत की जाती है।

❖ **शपथ:**

❖ सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति के द्वारा शपथ ग्रहण करता है जबकि अन्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय के उच्च न्यायाधीश द्वारा।

❖ **कार्यकाल और निष्कासन:**

❖ न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु तक पद पर बना रहता है।

❖ हालाँकि एक न्यायाधीश राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा देकर 65 वर्ष की आयु से पूर्व भी इस्तीफा दे सकता है।

Result Mitra

❖ **वेतन एवं भत्ते:**

❖ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते एवं विशेषाधिकार, अवकाश और पेंशन संसद द्वारा निर्धारित किये जाते हैं।

❖ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, पेंशन और भत्ते भारत की संचित निधि पर भारित होते हैं।

Result Mitra

प्रश्न. भारतीय न्यायपालिका के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1.भारत के सर्वोच्च न्यायालय के किसी भी सेवानिवृत्त न्यायाधीश को भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा भारत के राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति से वापस बैठने और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य करने के लिये बुलाया जा सकता है।

2.भारत में उच्च न्यायालय के पास अपने निर्णय की समीक्षा करने की शक्ति है जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

LIKE & SHARE

PDF

+ SUBSCRIBE